



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 203]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 16, 1977/वैशाख 26, 1899

No. 203]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 16, 1977 VAISAKHA 26, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 16th May 1977

S.O. 338(E).—Whereas Messrs Union Jute Company Limited, Calcutta in the State of West Bengal, (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), is engaged in a scheduled industry namely, Jute Industry;

And whereas an investigation has been made under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951), in relation to the said industrial undertaking, and the Central Government is of opinion that there are possibilities of re-starting the said industrial undertaking,

And whereas the Central Government is of opinion that the said industrial undertaking should be re-started for maintaining or increasing the production, supply or distribution of articles or class of articles relatable to the scheduled industry namely Jute Industry, needed by the general public,

And whereas the Central Government made an application to the High Court of Judicature, Calcutta, praying for permission to appoint any person or body of persons to take over the management of the said industrial undertaking,

And whereas the said High Court made an Order empowering the Central Government to authorise any person or body of persons to take over the management of the said industrial undertaking,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Industrial Reconstruction Corporation of

(1931)

India Limited, 19-Netaji Subhas Road, Calcutta, (hereinafter referred to as the "authorised person"), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, Messrs Union Jute Company Limited, Calcutta, on the following terms and conditions, namely —

- 1 The "authorised person" shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government,
- 2 The "authorised person" shall hold office for a period of five years from the date of publication of this Order in the Official Gazette
- 3 The Central Government may terminate the appointment of the "authorised person" earlier if it considers necessary to do so

This Order shall have effect for a period of five years from the date of its publication in the Official Gazette,

[No F 3/4/77-CUC]

A. K. GHOSH, Addl Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 16 मई, 1977

क्र. आ. 338 (अ).—मेसर्स यूनियन जूट कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल, राज्य (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) अनुसूचित उद्योग, अर्थात् पटसन उद्योग में लगी हुई है।

और उक्त औद्योगिक उपक्रम के सम्बन्ध में उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के अधीन श्रवण किया गया है, और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम को पुनः चालू करने की सम्भावना है,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम को, उत्पादन बनाए रखने या बढ़ाने, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् पटसन उद्योग से सम्बन्धित साधारण जनता के लिए आवश्यक, वस्तुओं या वस्तुओं के वर्ग की पूर्ति या वितरण के लिए पुनः चालू किया जाना चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को नियुक्त करने की अनुज्ञा के लिए प्रार्थना करते हुए, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को आवेदन किया था ,

और उक्त उच्च न्यायालय ने, उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के निकाय को प्राधिकृत करने के लिए केन्द्रीय सरकार को सशक्त करते हुए एक आदेश दिया था ,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इन्डस्ट्रियल रिस्ट्रक्चरिंग कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, 19-नेताजी सुभाष मार्ग, कलकत्ता को (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्राधिकृत व्यक्ति" कहा गया है) उक्त औद्योगिक उपक्रम

प्रार्थात् मेसर्स यूनियन जूट कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता का सम्पूर्ण प्रबन्ध, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर, ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करनी है, अर्थात् —

- 1 “प्राधिकृत व्यक्ति” केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का पालन करेगा।
- 2 “प्राधिकृत व्यक्ति” राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से पाच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा।
3. केन्द्रीय सरकार, “प्राधिकृत व्यक्ति” की नियुक्ति को, यदि वह आवश्यक समझे तो, इससे पहले भी समाप्त कर सकेगी।

यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पाच वर्ष की अवधि पर्यन्त प्रभावी रहेगा।

[सं. फा. 3(4) 77-सी० यू० सी०]

अ० कु० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

